भा.कृ.अनु.प.–भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान

ICAR–Indian Institute of Farming Systems Research

मोदीपुरम, मेरठ–250 110 (उ०प्र०), Modipuram, Meerut - 250 110 (U.P)

फोन/Phone : 0121-288 8711, 288 8811, फैक्स/Fax : 0121-288 8546

मोबाईल /Mobile : 91-9436731850; ईमेल/Email: directoriifsr@yahoo.com

दिनांक– 18.12.2017

कृषि प्रणाली संस्थान में "जैविक खेती नेटवर्क परियोजना" के 12वें समूह–समागम का शुभारम्भ

प्रेस विज्ञप्ति

भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान, मोदीपुरम, मेरठ में दिनांक 18/12/ 2017 को ''जैविक खेती नेटवर्क परियोजना'' की 12वीं सामूहिक बैठक (समूह–समागम) का आयोजन किया गया। बैठक में देश के 16 राज्यों के 20 नेटवर्क परियोजना केन्द्रों के 70 वैज्ञानिकों सहित 130 लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के सहायक महानिदेशक एवं मुख्य अतिथि डा. यस. भाष्कर ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि रासायनिक कृषि में फसलों में उपपोग होने वाले बहुत से पोषक तत्व जैसे कि नत्रजन, फास्फोरस और पोटाश फसलों द्वारा पूर्ण रूप से अवशोषित नहीं हो पाते और इनकी उपयोग दक्षता कम रह जाती है। अतः कृषि में पोषक तत्वों एवं अन्य संसाधनों की उपयोग दक्षता बढ़ाने में जैविक खेती का महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है। मुख्य अतिथि ने यह भी बताया कि, जैविक खेती के बढ़ते हुए क्षेत्रफल को देखते हुए वैज्ञानिकों को फसलों के पोषण प्रबंधन हेतु आवश्यक गोबर, गोमूत्र एवं अन्य जैविक खादों की मात्रा का सही से आँकलन करने व उनकी उपलब्धता बढ़ाने वाले पहलुवों पर शोध करने की सलाह दी। उन्होंने जैविक खेती पर हो रहे शोध कार्यों का बजट बढ़ाने की आवश्यकता भी जताई।

संस्थान के निदेशक डा. आजाद सिंह पँवार ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए जैविक खेती पर संस्थान द्वारा संचालित परियोजना की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत किया। आज देश के 14.90 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में जैविक खेती की जा रही है। उन्होंने बताया कि देश में जैविक खेती के उत्पादों में पिछले पाँच वर्षों के दौरान 29 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके

लिए हमारे कृषि शोध संस्थानों द्वारा विभिन्न फसलों हेतु विकसित जैविक खेती तकनीकों का बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

राष्ट्रीय जैविक खेती केन्द्र, गाजियाबाद के निदेशक एवं विशिष्ठ अतिथि डा. कृषण चन्द्र ने अपने संबोधन में कृषि प्रणाली संस्थान एवं जैविक खेती ग्रुप द्वारा फसलों के लिए विकसित एवं प्रकाशित जैविक खेती पैकेज की सराहना की और बताया कि देश में लगभग 20 फसलों के लिए विकसित इन जैविक उत्पादन तकनीकों से किसानों को बहुत फायदा हो रहा है। डा. चन्द्रा ने फसलों की जैविक खेती हेतु एक संपूर्ण पैकेज के विकास की आवश्यकता भी जताई। उन्होनें जैविक खेती केन्द्र, गाजियाबाद द्वारा विकसित "वैस्ट डीकंपोजर" को फसल अवशेषों के पुनर्चक्रण एवं मृदा स्वस्थ्य के लिए बहुत लाभकारी बताया एवं सभी को फसलों में इसके अधिकाधिक उपयोग की सलाह दी। केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान परिसर के संयुक्त निदेशक डा. मनोज कुमार ने जैविक खेती को खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के साथ–साथ मृदा स्वास्थ्य एवं पर्यावरण सुरक्षा के लिए भी जरूरी बताया। उन्होंने जैविक आलू उत्पादन को बढ़ाने के लिए और अधिक उपयोगी नत्रजन खादों एवं नाशीजीवों के नियंत्रण हेतु जैविक कीट एवं रोगनाशकों के विकास की आवश्यकता जताई।

उद्घाटन समारोह के दौरान कृषि प्रणाली संस्थान एवं अन्य केन्द्रों द्वारा जैविक खेती के ऊपर प्रकाशित वार्षिक प्रतिवेदन एवं विभिन्न पुस्तकों का मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा विमोचन भी किया गया। यह सामूहिक बैठक दो दिनों (18 एवं 19 दिसंबर) तक चलेगी। इस दौरान विभिन्न जैविक खेती नेटवर्क परियोजना केन्द्रों के प्रधान अन्वेषक वैज्ञानिकों द्वारा प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जायेगी। जैविक खेती के शोध कार्यक्रमों को उचित दिशा एवं गति देने हेतु वैज्ञानिकों द्वारा चर्चा–परिचर्चा के अतिरिक्त विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों जैसे जैविक खेती में कीट एवं रोग नियंत्रण, जैविक खेती में पंचगव्य का प्रयोग, नाशीजीव प्रतिरोधी पदार्थों का जैविक खेती में उपयोग, जैविक उत्पादों के प्रमाणीकरण आदि पर विशेषज्ञ वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान भी दिये जायेंगे। कार्यक्रम का संचालन डा. निशा वर्मा ने किया। कार्यक्रम समन्वयक डा. एन. रविशंकर ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

XII ANNUAL GROUP MEETING
NETWORK PROJECT ON ORGANIC FARMING
December, 2017
Dr. S. Bhaskar
ADG (AAFCC), NRM Division
Dr. Krishan Chandra
Director, NCOF
Dr. Manoj Kumar
Jt. Director, ICAR-CPRIC

XII ANNUAL GROUP MEETING
NETWORK PROJECT ON ORGANIC FARMING
December, 2017
Dr. S. Bhaskar
ADG (AAFCC), NRM Division
Dr. Krishan Chandra
Director, NCOF
Dr. Manoj Kumar
Jt. Director, ICAR-CPRIC